भोलानाथ बाप के साथ रूहे गुलाब की रूहरूहान

पहली स्मृति

आँख खुलते ही संकल्प करें - मैं आत्मा हूँ | मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए स्वीट लाइट के होम में अवतरित हुई हूँ |

मैं कौन हूँ ?

मैं रूहे गुलाब हूँ | मुझ आत्मा में रंग, रूप, खुशबू व सुन्दरता है | बाबा विशेष प्यार व् शक्ति से मेरी पालना कर रहे हैं

मैं किसकी हूँ?

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा ! गुड मारनिंग | भोलानाथ बाबा | मैं आपकी हूँ | आप अपने वरदानों के खजानों से मुझे वरदान देते हैं |

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे!जागो! मेरे साथ बैठो | अमृतवेले के रूहानी समय व दिन और रात के बीच के समय पर मुझ भोलानाथ बाप से बुद्धि योग लगाकर तुम जो चाहो वो प्राप्त कर सकते हो | ये ऐसा समय है , जब तुम भोलेनाथ बाप से बिना मेहनत के अथाह वरदान ले सकते हो | इस समय अपरमपार ख़ुशी व प्राप्तियों का अनुभव करो |

बाबा से प्रेरणायें

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगायें | बाबा है साइलेंस का सागर | इस साइलेंस में , मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हूँ |

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फ़रिश्ता स्वरुप दिखाई दे रहा है | बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं -

तुम शांत स्वरुप व बेफिक्र आत्मा हो , जिसकी स्मृति की लाइट सदा जलती रहती है | यह लाइट मोह रुपी अंधकार को समाप्त कर भगवान के दिल की मिठास व सुन्दरता के प्रत्यक्ष करता है | इस लाइट से तुम्हें पंख मिलते हैं, जिससे तुम सारे विश्व को उड़ने में मदद करते हो |

बेहद की सूक्ष्म सेवा (आखिरी के पन्द्रह मिनट - प्रातः4.45 से 5 बजे तक)

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पुरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हूँ | अपनी फ़रिश्ता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हूँ |

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पार जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनायें | चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तोह नहीं की ? अगर हाँ, तो बाबा को

बताएं | किसी की मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फंसी? अपने कर्मों का चार्ट बनाएं |तीन मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयं को मुक्त करें | अपने दिल को साफ़ व हल्का कर सोयें |